सांध्य दैनिक 4PM

सफल रिश्ते इस बात पर निर्भर नहीं करते कि हमारे बीच कितनी अच्छी अंडरस्टैंडिंग है। बल्कि इस पर निर्भर करता है कि हम कितने अच्छे से मिसअंडरस्टैंडिंग से बच पाते हैं। –ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 324 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024

दो दिन में ही खत्म हुआ पांच दिन... 7 | दिल्ली और झारखंड से बदलेगी... 3 | यूपी जोड़ो यात्रा का लखनऊ में... 2

ईडी की छापेमारी के बाद बंगाल में बवाल

प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर हमला

» राशन वितरण घोटाला मामले में तृणमूल नेता के घर पर रेड

» 200 से अधिक स्थानीय लोग हमले में रहे शामिल

» भाजपा-कांग्रेस ने ममता सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी नेताओं पर ईडी की छापेमारी जारी है। इसी बीच ईडी के ऊपर हमले भी होना शुरू हो गए हैं। बंगाल में छापेमारी के दौरान ईडी की टीम पर हमला होने की जानकारी मिली है। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में छापेमारी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम पर कथित तौर पर हमला किया गया। राशन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बनगांव में पूर्व बोनगांव नगर पालिका अध्यक्ष शंकर आध्या के आवास पर छापेमारी की थी।

यह घटना उत्तर 24 परगना जिले से सामने आई, जहां टीम कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में स्थानों पर छापेमारी करने गई थी। टीम पर उस समय हमला किया गया जब वह तृणमूल नेता शाहजहां शेख के आवास के पास पहुंची, जिन्हें बाद में मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। 200 से अधिक स्थानीय लोगों ने ईडी टीम के अधिकारियों और केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों को घेर लिया। भीड़ ने सरकारी अधिकारियों के वाहनों में भी तोड़फोड़ की। उधर बीजेपी व भाजपा ने ममता सरकार को घेरा है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा हमला सरकारी गुंडों ने किया है।

रोहिंग्याओं की वजह से राज्य में कानून व्यवस्था चौपट : सुकांत

हमले पर टिप्पणी करते हुए, राज्य भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि रोहिंग्या राज्य में कानून व्यवस्था के साथ क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन सभी के खिलाफ शिकायत और भ्रष्टाचार के आरोप हैं। स्वाभाविक रूप से, प्रवर्तन निदेशालय कार्रवाई करेगा। हमला दिखाता है कि रोहिंग्या राज्य में कानून व्यवस्था के साथ क्या कर रहे हैं। बाद में, विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति खस्ताहाल है। उन्होंने एक्स पर लिखा भयानक। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति जर्जर है। इसके अलावा, अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस से भी आग्रह किया कि वे इस गंभीर स्थिति का संज्ञान लें और इस अराजकता को कुचलने के लिए उचित कार्रवाई करें। अधिकारी ने यह भी मांग की कि राष्ट्रीय जांच दल को मामले की जांच करनी चाहिए।

ईडी के सामने पेश नहीं होंगे तेजस्वी

लैंड फॉर जॉब मामले में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आज भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं होंगे। इससे पहले ईडी ने उन्हें समन जारी कर 22 दिसंबर को पेश होने को कहा था, लेकिन वे पेश नहीं हुए थे। उनके वकील ने अगली डेट की डिमांड की थी। तब जांच एजेंसी ने तेजस्वी को पेश होने के लिए 5 जनवरी की नई तारीख दी थी।

पूर्व विधायक दिलबाग के परिसरों से विदेशी निर्मित अवैध हथियार बरामद, 5 करोड़ नकद मिले

हरियाणा के पूर्व विधायक दिलबाग सिंह और उनके सहयोगी के परिसरों से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध विदेशी निर्मित हथियार, 100 से अधिक शराब की बोतलें और 5 करोड़ नकद और भारत और विदेश में कई संपत्तियों सहित अन्य सामग्री बरामद की है। वहीं सोनीपत से कांग्रेसी विधायक सुरेंद्र पंवार के आवास पर पिछले 25 घंटे से ईडी की कारवाई जारी है।

दिल्ली दवा घोटाला मामले में गृह मंत्रालय ने सीबीआई जांच के दिए आदेश

दिल्ली में कथित दवा घोटाले के मामले में गृह मंत्रालय ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। गृह मंत्रालय ने एलजी की सिफारिश पर सीबीआई एफआईआर को दर्ज करने के आदेश दिए हैं। दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा चलाए जा रहे मोहल्ला क्लीनिकों में कथित तौर पर घटिया दवा देने के आरोप लगे हैं। एलजी वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटा चुनाव आयोग

» सात जनवरी से राज्यों का दौरा करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) अगले सप्ताह आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के दौरे के साथ लोकसभा चुनाव के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा शुरू करेगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग के अधिकारी सात से 10 जनवरी के बीच आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में रहेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ निर्वाचन आयुक्त - अनूप चंद्र पांडे और अरुण गोयल भी होंगे। यात्रा से पहले उप निर्वाचन आयुक्त छह जनवरी को दोनों राज्यों में तैयारियों के बारे में आयोग को जानकारी देंगे। लोकसभा चुनाव की तैयारियों की निगरानी के लिए उप निर्वाचन आयुक्तों ने लगभग सभी राज्यों का दौरा किया है।

निर्वाचन आयोग के लिए विधानसभा या लोकसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों, वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों और इसकी जमीनी चुनाव मशीनरी से मिलने के लिए राज्यों का दौरा करना आम बात है। अभी यह निश्चित नहीं है कि निर्वाचन आयोग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेगा या नहीं। आयोग उन राज्यों का दौरा नहीं कर सकता है जहां हाल में विधानसभा चुनाव हुए थे।

नीतीश कुमार को लेकर सभी की राय सकारात्मक : संजय राउत

» लोस चुनाव से पहले सीट शेयरिंग पर अगले एक दो-दिन में बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में उद्धव गुट के प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपनी कई बातें रखीं। लोकसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग के फैसले पर राउत ने कहा कि, अगले एक-दो दिन में कांग्रेस की जो कमिटी बनी है उसके साथ हमलोग बैठक करेंगें। कमिटी के साथ बातचीत चल रही है। कांग्रेस, शरद गुट की एनसीपी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और प्रकाश आंबेडकर के साथ चर्चा चल रही है।

सांसद राउत ने कहा, नीतीश कुमार को लेकर सभी की राय सकारात्मक है। नीतिश कुमार अनुभवी नेता हैं। गठबंधन के साथियों को एक मंच पर लाने का काम नीतिश कुमार ने किया है। कांग्रेस की राष्ट्रीय गठबंधन समिति ने गुरूवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें लोकसभा चुनाव में गठबंधन के घटक दलों के साथ सीट-बंटवारे पर राज्य इकाइयों की प्रतिक्रिया से अवगत कराया। समिति ने कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों से राज्य वार बातचीत जल्द शुरू की जाएगी।

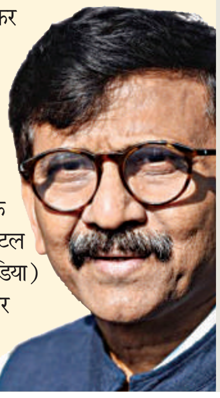

विभिन्न राज्यों के पार्टी नेताओं के साथ व्यापक विचार विमर्श जल्द : वासनिक

इस समिति के संयोजक मुकुल वासनिक हैं. समिति में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, मोहन प्रकाश और सलमान खुर्शीद सदस्य हैं। समिति ने पार्टी नेतृत्व को निर्णायक बातचीत के लिए आगे की राह सुझाई है। कांग्रेस अध्यक्ष के आवास पर बैठक के बाद वासनिक ने संवाददाताओं से कहा कि पिछले कुछ दिनों में समिति ने 'इंडिया' के साथ गठबंधन पर विभिन्न राज्यों के पार्टी नेताओं के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया। हमने खरगे जी, राहुल जी और वेणुगोपाल जी के समक्ष चर्चा का विवरण रखा है।

सरकार लोगों को कर रही गुमराह

केजरीवाल पर ईडी की कार्रवाई पर बोले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं होने पर हो रही राजनीति पर अखिलेश यादव ने कहा कि अब पूरा देश जानता है कि ईडी का गलत इस्तेमाल कर विपक्षी दलों के नेताओं को फंसाने का काम किया जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा स्कैंडल तो नोटबंदी हुआ था। इसके बाद भी लोगों के पास नोट पकड़े जा रहे हैं। ये केंद्र सरकार का लोगों को गुमराह करने का तरीका है।

राजनीतिक एजेंडे के तहत ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल नोटिस दिए जाने के बाद भी प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हो रहे हैं और मीडिया के सामने अपनी गिरफ्तारी की आशंका जता रहे हैं। उनका कहना है कि केंद्र सरकार राजनीतिक एजेंडे के तहत कार्रवाई कर रही है। इसी उठापटक के बीच अरविंद केजरीवाल ने तीन दिन गुजरात यात्रा का प्लान बनाया है। पूर्व सीएम ने कहा है कि बीजेपी की योगी सरकार में यूपी की कानून व्यवस्था चौपट है। राज्य में पुलिस भी अपराधी की तरह व्यवहार कर रही है। जगह-जगह चोरी व लूट की घटनाएं घट रही हैं। भाजपा के नेता ही अपराध में लिप्त पाये जा रहे हैं। आईआईटी बीएचयू में युवती के साथ शर्मनाक हरकत की गई। अपराधी सत्ता से जुड़े हुए लोग थे इसलिए उनको पकड़ने में 60 दिन लग गए। उधर सीएम योगी अपराध पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं पर सब हवा हवाई साबित हो रहा है। राजनीतिक तौर पर बीजेपी और समाजवादी पार्टी एक-दूसरे के धूर विरोधी हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी को घेरने के लिए विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन भी बन रहा है। इस गठबंधन में बीजेपी के खिलाफ सपा भी शामिल है। लेकिन गुरुवार को एक ऐसी तस्वीर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शेयर की जिसमें वो बीजेपी विधायकों के बीच नजर आ रहे हैं।

यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त

कालनेमि वाले रूप का त्याग करें अखिलेश : राजूदास

अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास एक कार्यक्रम में सुल्तानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। राजूदास ने कहा कि अखिलेश को डर है कि अयोध्या आने से मुसलमान नाराज हो जाएगा, इसलिए वे आमंत्रण की बात कर रहे हैं। इसीलिए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भाजपा का कार्यक्रम बता रहे हैं। इसके साथ ही महंत राजूदास ने अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने कई हजार रामभक्तों की प्राणों की आहुति ली। उन्होंने कहा कि मुल्ला मुलायम सिंह के बेटे अखिलेश से मेरा एक सवाल है। राजधर्म आप निभा नहीं पाए और आप विपक्ष के लायक भी नहीं बचोगे। आप अपनी इस मानसिकता में परिवर्तन करो। राजू दास ने कहा कि अखिलेश आपसे निवेदन है कि आप कालनेमि वाले रूप का त्याग करो। प्रभु राम सबके हैं। महंत राजू दास ने कहा कि मुसलमान भी चाह रहा था कि इस मामले में पट्टाक्षेप हो जाए, क्योंकि आप इस मामले में खूब मजे लेते थे। राजू दास ने तंज कसते हुए कहा कि कुर्सी पर बैठकर और टोपी पहनकर और उनको टोपी पहनाकर, जो करते थे अब वह खत्म हो गया है।

किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो खेद व्यक्त करता हूं : आव्हाड

भगवान राम पर की गई टिप्पणी से पीछे हटे एनसीपी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शीर्ष नेताओं के शामिल होने से कुछ दिन पहले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता जितेंद्र आव्हाड की टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। ऐसे में उन्होंने खेद प्रकट किया है। जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि भगवान राम मांसाहारी थे राकांपा के शरद पवार खेमे से आने वाले अवहाद ने बुधवार को महाराष्ट्र के शिरडी में एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी।

जितेंद्र आव्हाड ने अपनी टिप्पणी को लेकर गुरुवार को कहा, मैंने जो कल एक वाक्य कहा मेरा मामना है कि पूरा भाषण बेहद सुंदर हुआ, लेकिन उस एक वाक्य की वजह से पूरा भाषण, तो उस वाक्य के प्रति जो भावनाएं लोगों के दिल में हैं, जो उनके दिल में दुख है उसके प्रति मैं खेद व्यक्त करता हूं। एनसीपी नेता ने हा था कि हिंदू महाकाव्य रामायण में भगवान राम द्वारा जंगलों में बिताए गए वर्षों का जिक्र करते हुए कहा, भगवान राम हम बहुजनों के हैं, वह जानवरों का शिकार करते थे और खाते थे, वह एक बहुजन हैं, वे भगवान राम का उदाहरण देकर सभी को शाकाहारी बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भगवान राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे।

मुसलमानों में राम मंदिर का विरोध नहीं : इकबाल अंसारी

बोले- अयोध्या आस्था की भूमि, सबका साथ-सबका विकास होना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या भूमि विवाद मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी ने कहा है कि हिंदू और मुसलमानों के बीच विवाद खत्म हो गया है और देश में सबका साथ, सबका विकास होना चाहिए। इकबाल अंसारी ने कहा कि जहां तक राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद का सवाल है, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है जिसके बाद निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पूरे देश के मुसलमानों ने इसका स्वागत किया।

कोई विरोध प्रदर्शन या कुछ भी नहीं हुआ... यह आस्था का मामला है और यह अच्छा है कि मंदिर का निर्माण हो रहा है। अयोध्या आस्था की भूमि है। यहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सभी मेहमानों, पीएम मोदी और सीएम योगी का स्वागत है। हिंदू और मुसलमानों के बीच विवाद खत्म हो गया है। कुछ लोग कुछ बयान दे रहे हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

यूपी जोड़ो यात्रा का लखनऊ में जोरदार स्वागत

कल शहीद स्मारक पर होगा भव्य कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सहारनपुर से चल रही यूपी जोड़ो यात्रा 4 जनवरी 2024 को लखनऊ जनपद की सीमा में प्रवेश कर गई, जहां पर कांग्रेस जनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं - आम जनों ने इटौंजा टोल प्लाजा पर यूपी जोड़ो यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का पड़ाव बख्शी तालाब में होगा और आज एवं कल लखनऊ जनपद में यात्रा तय मार्ग पूरा कर (6 जनवरी) को शहीद स्मारक लखनऊ पहुंचकर शहीदों को नमन करने के उपरांत राजनीतिक संकल्प के साथ विराम लेगी।

प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने यह जानकारी दी। श्री अवस्थी ने बताया की लखनऊ में यात्रा का जगह - जगह स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, यात्रा में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, जी शामिल होंगे, यात्रा में चल रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और और सभी वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, एआईसीसी मेंबर, पीसीसी मेंबर, कांग्रेस पदाधिकारी एवं नेता और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहेगें।

प्रदेश के 20 जिलों से होकर गुजरेगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा

प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने भारत न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश में यात्रा पर जानकारी देते हुए बताया कि 14 जनवरी 2024 से राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू हो रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा, जो मणिपुर से मुम्बई तक निर्धारित है, वह सबसे ज्यादा समय उत्तर प्रदेश में 11 दिन रहेगी और 20 जनपदों से होकर गुजरेगी, अंशू अवस्थी ने बताया कि देश में सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय तथा भारतीय जनता पार्टी की सरकार में बढ़ती गैर बराबरी के खिलाफ आम आदमी के उम्मीदों के लिए मील का पत्थर साबित होगी, और उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के जनमानस की आवाज़ बनकर उभरेगी।

ममता मोदी की सेवा में लगी हुई हैं : अधीर रंजन

बंगाल में सीट बंटवारे पर रार, कहा- हमने भीख नहीं मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

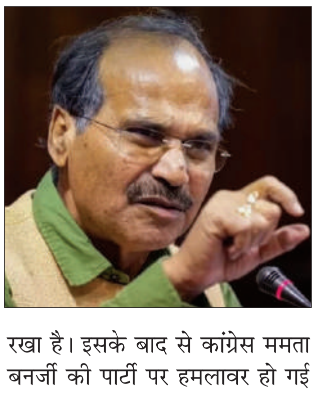

कोलकाता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी ने सीधे तौर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर आरोप लगाया कि ममता बनर्जी गठबंधन चाहते ही नहीं वह तो नरेंद्र मोदी की सेवा में लगी हुई है। 28 विपक्षी दलों की गठबंधन इंडिया में खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इंडिया गठबंधन में लोकसभा सीट बंटवारे को लेकर तकरार साफ तौर पर दिखाई दे रही है।

सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के समक्ष दो सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद से कांग्रेस ममता बनर्जी की पार्टी पर हमलावर हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी ने सीधे तौर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर आरोप लगाया कि ममता बनर्जी गठबंधन चाहते ही नहीं वह तो नरेंद्र मोदी की सेवा में लगी हुई है।

दिल्ली और झारखंड से बदलेगी सियासत!

सोरेन-केजरीवाल का ईडी के समन को नकाराना पड़ सकता है भारी

» कई बार नोटिस के बाद भी हाजिर नहीं हुए दोनों राज्यों के सीएम

» मोदी सरकार के लिए दोनों हुए घातक

» गिरफ्तारी के बाद बदल जाएगी लोस चुनाव की तस्वीर

» पूर्वी व उत्तर भारत पर पड़ेगा सियासी असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति पानी और हवा की तरह होती है। कभी न थमती है न रूकती है। आज कल देश में लोक सभा चुनाव की रंगत सियासी दलों पर चढ़ने लगी है। जहां सत्ता पक्ष में बैठी बीजेपी चनावी तैयार में पूरे जोरशोर से जुट गई हैं। वहीं विपक्षी भी अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसबीच दो राज्य दिल्ली व झारखंड में सत्ता पक्ष व बीजेपी की मोदी सरकार में वार-पलटवार का दौर जारी हो गया है। दोनो कही राज्यों में ईडी के समन को लकर आजकल रार मची हुई है। बता दें कि शराब घोटाले के मामले में दिल्ली सीएम को केंद्रीय एजेंसी द्वारा तीन बार समन भेजे जा चुके पर तीनों ही बार आप संयोजन ने हाजिर होने से मना कर दिया।

इसपर सियासत भी जारी है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर जमीन घेटाले में सात बार समन इडी ने भेजा पर हर बार उन्होंने जाने से इंकार किया। अब सियासी गलियारें में सब यही चर्चा कर रहे हैं कि अगर इन दोनों मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया तो राजनीति पर क्या असर होगा। ज्ञात हो कि शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी की तरफ से तीन बार नोटिस मिला है जबकि जमीन घोटाले से जुड़े मामले में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को सात बार ईडी का नोटिस मिल चुका है। इसके बावजूद दोनों मुख्यमंत्री ईडी के सामने पेश होने से इनकार कर रहे हैं। ऐसे में क्या दोनों मुख्यमंत्रियों के ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है? 2021 में, आप सरकार ने अपनी शराब उत्पाद शुल्क नीति में कई बदलाव पेश किए, जिसमें निजी संस्थाओं को स्टोर संचालन लाइसेंस जारी करने के साथ सरकारी स्वामित्व वाली शराब की दुकानों को बंद करना, शराब पीने की कानूनी उम्र को 25 से घटाकर 21 वर्ष करना और दिल्ली के बाहर के क्षेत्रों में मूल्य निर्धारण और बिक्री प्रदर्शन जैसे कारकों के आधार पर शराब ब्रांडों के लिए अलग पंजीकरण मानदंड शामिल था।

इसमें वार्षिक शराब वेंडिंग लाइसेंस शुल्क को 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये करने का भी प्रस्ताव था। दिल्ली सरकार ने प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से 849 निजी विक्रेताओं को लाइसेंस देकर शराब के खुदरा कारोबार से भी हाथ खींच लिया। हालाँकि, नीति लागू होने के तुरंत बाद, यह विपक्ष द्वारा लाइसेंसिंग प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोपों से घिर गई थी।

केजरीवाल और सोरेन पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा-19 के तहत ईडी को अधिकार है कि तीन बार नोटिस के बाद भी अगर कोई पेश नहीं होता है तो एजेंसी उसे गिरफ्तार कर सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का इसपर कहना है कि ईडी के नोटिस के बावजूद पूछताछ के लिए आरोपित उसके साथ सहयोग नहीं कर रहा है तो सिर्फ इस आधार पर उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकती है।

दोनों राज्यों की सत्तारूढ़ पार्टी का केंद्र पर निशाना

दोनों ही मुख्यमंत्रियों की पार्टी ने केंद्रीय एजेंसी पर इसके दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं द्वारा केंद्र सरकार पर ईडी को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल ने इन नोटिसों के जवाब में ईडी को पत्र लिखकर अपनी व्यस्तता बताई है। ईडी के नोटिस पर हेमंत सोरेन ने पत्र लिखकर उसे गैरकानूनी बताया है और कहा कि नोटिस के जरिए उनकी राजनीतिक छवि खराब की जा रही है। साथ ही राज्य में सरकार को स्थिर करने की कोशिश हो रही है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी ईडी के नोटिस पर पत्र लिखकर अपना जवाब भेजा है। केजरीवाल ने पत्र लिखकर अपनी व्यस्तता बताई है और उनकी पार्टी ने कहा कि ईडी के नोटिस के जरिए उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने से रोका जा रहा है। उनकी पार्टी ने यह भी आरोप लगाई है कि केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश भी रची जा रही है। सवाल ये है कि अरविंद केजरीवाल ईडी के नोटिस को हल्के में क्यों ले रहे हैं, तो इसका एक जवाब इससे समझा जा सकता है कि हेमंत सोरेन को अब तक सात बार नोटिस मिल चुका है और उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस हिसाब से केजरीवाल को अब तक सिर्फ तीन बार ही नोटिस मिला है और उनके पास पेशी से बचने के लिए अभी और मौके हैं। हालांकि, ये दोनों मामले अलग-अलग हैं।

सदन में किया जा सकता है गिरफ्तार

धारा 135 ये भी कहती है कि किसी भी मुख्यमंत्री या विधानसभा सदस्य को विधानसभा सत्र शुरू होने के 40 दिन पहले और सत्र खत्म होने के 40 दिन बाद तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। वहीं मुख्यमंत्री और किसी विधानसभा सदस्य को सदन से भी गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 61 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल को पद पर रहते हुए गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। कानून के अनुसार ये गिरफ्तारी किसी भी आरोप में यानी सिविल और क्रिमिनल दोनों के तहत नहीं की जा सकती। यदि राष्ट्रपति और राज्यपाल अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं तो उस स्थिति में दोनों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

दोनों सीएम कई बार कर चुके है ईडी के सामने जाने से इंकार

शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आमने-सामने है। ईडी ने केजरीवाल को अब तक तीन बार नोटिस भेजा है और चौथे बार नोटिस भेजने की तैयारी में है। वहीं, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ईडी के चंगुल में फंसे हैं। जमीन घोटाले से जुड़े मामले में हेमंत सोरेन को ईडी की तरफ से अब तक सात बार नोटिस भेजा जा चुका है। ध्यान देने वाली बात ये है कि भले ही दोनों मामले अलग-अलग है, लेकिन ईडी के नोटिस को लेकर हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल का रवैया एक समान है। दोनों ही मुख्यमंत्री ईडी के नोटिस को हल्के में ले रहे हैं। दोनों मुख्यमंत्रियों की तरफ से ईडी को लगभग एक जैसी ही दुहाई दी जा रही है और दोनों ही पेश से बच रहे हैं।

आसान नहीं सीएम को गिरफ्तार करना

सभी के मन में ये सवाल उठ रहा है कि क्या सीएम पद रहते हुए अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की जा सकती है। जहां सीएम की गिरफ्तारी की खबर सभी को चौंका देती है तो वहीं अमूमन ये सवाल भी मन में पैदा होता है कि इस पद रहते हुए कानून क्या होते होंगे और गिरफ्तारी के नियम क्या होंगे? दरअसल सीएम की गिरफ्तारी विशेष स्थिति में ही की जा सकती है। तो चलिए आज हम जानते हैं सीएम की गिरफ्तारी के लिए नियम और कानून क्या कहते हैं। कोड ऑफ सिविल

प्रोसिजर 135 के तहत किसी भी मुख्यमंत्री या विधान परिषद को गिरफ्तारी में छूट मिली हुई है. हालांकि ये छूट सिर्फ विधान मामलों में ही है. ऐसे में यदि किसी मुख्यमंत्री या विधानसभा सदस्य पर किसी प्रकार का क्रिमिनल मामला दर्ज हो जाता है तो कोड ऑफ सिविल प्रोसिजर के तहत उसे छूट नहीं मिलती है और उसे गिरफ्तार किया जा सकता है. हालांकि यहां भी एक नियम लागू होता है और वो है विधानसभा अध्यक्ष की मंजूरी. लॉ के अनुसार यदि किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया जाना है तो सबसे पहले सदन के अध्यक्ष की मंजूरी लेना अनिवार्य होता है और मंजूरी मिलने के बाद ही मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया जा सकता है.

केजरीवाल को कब-कब आया बुलावा

शराब नीति मामले में ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अब तक तीन बार नोटिस भेजा है। अरविंद केजरीवाल को पहला नोटिस दो नवंबर, 2023 को मिला था। इसके बाद दूसरा नोटिस 21 दिसंबर,2023 को भेजा गया और तीसरी बार उन्हें तीन जनवरी, 2024 को नोटिस भेजा गया था। हालांकि, इन नोटिस के बावजूद वह ईडी के सामने पेश नहीं हुए।

हेमंत सोरेन को कब-कब मिला नोटिस

जमीन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को अब तक सात बार नोटिस भेजा है, लेकिन वह कभी भी ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। ईडी ने हेमंत सोरेन को पहला नोटिस 14 अगस्त, 2023 को दूसरा नोटिस 24 अगस्त, 2023 को, तीसरा नोटिस नौ सितंबर, 2023 को चौथा नोटिस 23 सितंबर, 2023 को पांचवा नोटिस चार अक्टूबर, 2023 को छठा नोटिस 12 दिसंबर, 2023 को और सातवां नोटिस 29 दिसंबर, 2023 को भेजा गया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खिलाड़ियों को राजीतिक हथियार न बनाएं!

> हालांकि सरकार उन्हे निलंबित करके नई कमेटी बनाई। वह अलग बात है सरकार के फैसले को नई कार्यकारिणी ने मानने से इंकार कर दिया और कोर्ट जाने का फैसला कर लिया है। उधर अब एक नया विवाद आ गया है कि जो पीड़ित पहलवान है उन्हीं के खिलाफ अब अन्य पहलवान धरने पर बैठे हैं। कुल मिलाकर यह एक गलत परंपरा है। राजनीति के चलते खिलाड़ियों को एक-दूसरे को नीचा दिखानो का प्रयास नही करना चाहिए।

यह गर्व की बात है कि इन दिनों खेलों में हम इतिहास रच रहे हैं, वह भी ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं के दम पर। पर एक दुखद पहलू यह भी है कि पिछले एक साल से भारत के ओलंपिक में दम दिखाने वाले पहलवाल कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ धरना देते रहे मामला कोर्ट तक पहुंचा। नये चुनाव हुए पर वहीं लोग फिर जीत गए जिन पर आरोप था। हालांकि सरकार उन्हे निलंबित करके नई कमेटी बनाई। वह अलग बात है सरकार के फैसले को नई कार्यकारिणी ने मानने से इंकार कर दिया और कोर्ट जाने का फैसला कर लिया है। उधर अब एक नया विवाद आ गया है कि जो पीड़ित पहलवान है उन्हीं के खिलाफ अब अन्य पहलवान धरने पर बैठे हैं। कुल मिलाकर यह एक गलत परंपरा है। राजनीति के चलते खिलाड़ियों को एक-दूसरे को नीचा दिखानो का प्रयास नही करना चाहिए। इन सब बातों से इतर इसबात की खुशी है कि खलाड़ी विवादों के बीच भी अच्छा खेल रहे हैं।

सरकारों को चाहिए कि खिलाड़ियों के हितों का तो ध्यान रखे ही उनके लिए आधारभूत संरचनाओं का भी उच्चीकरण करें। जिस तरह बीते कुछ वर्षों से गांवों में खेलों की आधारभूत संरचना मजबूत हो रही है, उसके परिणाम अब सबके सामने आ रहे हैं। हाल ही एक सर्वे में यह तथ्य आया है कि हांगझाऊ एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले अधिकतर खिलाड़ी ग्रामीण परिवेश के थे। इसका स्पष्ट अर्थ है कि खेलों में शहरों के साथ ही ग्रामीण प्रतिभाएं अपना शानदार प्रदर्शन दिखाने लगी हैं। ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व बढ़ता जा रहा है। इसी का नतीजा है कि पदक भी ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों की झोली में अधिक आ रहे हैं। अब तक यह माना जाता रहा है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में कम प्रतिनिधित्व रहता है। कुछ दशकों में इस स्थिति में सुधार आया है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे समग्र खेल प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। यही वजह है कि हांगझाऊ एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार भारत ने पदकों का शतक लगाकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि को हासिल करने के साथ ही चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ने हांगझाऊ एशियन गेम्स 2023 की पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया। देखा जाए तो एक दशक में भारत में खेलों का भी एक नया दौर शुरू हुआ है। इससे न सिर्फ विश्व में भारत का खेलों में दबदबा बढ़ा है, बल्कि ढेरों नई प्रतिभाएं भी निखर कर सामने आ रही हैं। इससे विश्व स्तर पर खेलों में भारत के प्रदर्शन में आशातीत निखार आएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्राथमिकता से हो खाद्य मुद्रास्फीति का नियंत्रण

सुबीर रॉय

अब जबकि अगले साल आम चुनाव होने को हैं तो हम राजनीतिक मंतव्य से प्रेरित आर्थिक नीतियां देखने को तैयार रहें, यहां तक कि सामान्य से कहीं अलहदा। सरकार ने पहले ही संकेत दे दिया है कि आगामी केंद्रीय बजट में कुछ नया शामिल करने का इरादा नहीं है। लिहाजा जो भी सरकार सत्ता में आएगी, उसकी नई नीतियां बनने तक मौजूदा यथास्थिति बनी रहेगी। एक बार नई सरकार अपनी जगह बैठ गई तो ध्यान का केंद्र चुनाव प्रचार अवधि के दौरान मुफ्त की रेवड़ियों के वादे की एवज में जन-आकांक्षाओं को पहुंचे नुकसान की भरपाई करने पर होगा। इसलिए, जायजा लिया जाए तो चुनाव उपरांत ही वित्तीय लेखा-जोखा दुरुस्त करके, उत्तरदायी सामान्य प्रशासन बनाकर, आर्थिक नीतियों को स्वरूप मिल पाएगा। अतएव, अप्रैल माह तक माहौल मौज-मस्ती का रहेगा और जून के बाद 'गंभीरता से काम पर पुन: लगने' वाला चरण शुरू होगा।

जैसे-जैसे नया साल आगे बढ़ेगा, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई जारी रहने और इससे वैश्विक व्यापार में आगे भी अस्थिरता बनी रहेगी। हालांकि, उम्मीद जगाती खबरों की मानें तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब शांति वार्ता को राजी हैं और शायद प्रयास फलदायक रहें। लेकिन पूरी संभावना है कि रूस कब्जाए इलाके के कुछ हिस्से अपने पास रखना चाहेगा, जिस पर शायद वोल्दोमीर जेलेंस्की के नेतृत्व वाले यूक्रेन की प्रतिक्रिया यह होगी 'यह हमारी लाशों पर संभव है'। इसलिए, अब समझदारी यही अंदाजा लगाने में है कि लड़ाई जारी रहेगी। वहीं इस्राइल-हमास के बीच भी जंग खत्म होने के आसार फिलहाल क्षीण लगते हैं। लिहाजा हमें, जारी युद्ध प्रभावित वैश्विक व्यापार और वैश्वीकरण को क्षति भरा एक और साल बिताने की तैयारी करने की जरूरत है। इसके अलावा, एक अन्य खतरा तेजी से उभर रहा है, यमन के हुती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले समुद्री जहाजों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उन्हें अफ्रीका वाला लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है।

नतीजतन न केवल अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक माल पहुंचाने के समय में बल्कि ढुलाई खर्च में भी इजाफा हो रहा है। पूरी संभावना है कि वैश्विक समुद्री आवाजाही में विघ्न से भारतीय आयात (विशेषकर तेल जैसी आवश्यक वस्तु) एवं निर्यात पर नए सिरे से वित्तीय बोझ

पड़ेगा। इन परिस्थितियों के तहत, नई सरकार को 'बंद अर्थव्यवस्था' (आयात-निर्यात रहित) चलाने की योजना पर सोचना होगा, अलबत्ता, इससे उच्च आर्थिक दर पाने की हमारी आकांक्षा को धक्का लगेगा। इन सबके साथ, अगले साल की आर्थिक नीति को पर्यावरणीय परिवर्तनों के परिणामवश अतिशयी मौसमीय घटनाओं का सामना करने को योजना तैयार रखनी होगी। अतएव, यही वक्त है जब केंद्र सरकार चेन्नई और हैदराबाद में आई अचानक बाढ़ सरीखे ऊंचे दर्जे की प्राकृतिक मार झेलने वाले राज्यों की शीघ्रातिशीघ्र मदद के वास्ते एक विशेष फंड बनाए। किसी सूबे को बाढ़ या सूखे का सामना करने पर, आर्थिकी को बहुत नुकसान झेलना पड़ता है और सहायतार्थ केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगानी पड़ती है। इस पर आकलन और प्रतिक्रिया करने में केंद्र सरकार को समय लगता है। लिहाजा अतिशयी मौसमी घटनाओं के लिए बना विशेष सहायता-फंड बीमा पॉलिसी सरीखा होगा, जिसे पाने की नियम और शर्तें पूर्वनिर्धारित हों ताकि पावती में कीमती वक्त और स्रोत खराब न होने पाए। इन तमाम नकारात्मकताओं के बीच, अच्छी खबर यह है कि नया साल 2023 की सकारात्मक आर्थिक विरासत के साथ शुरू होगा। भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक रहने की उम्मीद है, मुद्रास्फीति कुल मिलाकर काबू में है, विदेशी मुद्रा भंडार काफी ऊंचा है और मुद्रा-विनिमय दर स्थिर है। बहुस्तरीय एंजेसियों और वैश्विक विशेषकों का कहना है कि विश्व की मुख्य आर्थिक शक्तियों में भारत सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। व्यापारिक मोर्चे पर, वस्तु निर्यात की कारगुजारी आगे भी अनुमान के अनुरूप कमजोर बनी रहेंगी लेकिन आयात निर्यात संतुलन में अंतर की क्षतिपूर्ति सेवा निर्यात (विशेषकर सॉफ्टवेयर का), भारतीय आप्रवासियों से भेजे जाने वाले धन और विदेशी पूंजी प्रवाह से हो सकेगी।

फिलहाल, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अगले लगभग 18 महीनों तक आयात करने के बराबर है। यह स्थिति पड़ोसी मुल्कों पाकिस्तान और श्रीलंका के मुकाबले कहीं बेहतर है। आइए अब मुद्रास्फीति के मुख्य कारकों पर निगाह डालें। यह 5.5 फीसदी के साथ नियंत्रण में है, जो कि वहनीय स्तर यानी 6 प्रतिशत से कुछ ही नीचे है। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति (8.7 फीसदी) उच्च बनी हुई है, जो कि देश के गरीब तबके के लिए बुरी खबर है और उनमें अधिकांश पहले ही अतिरिक्त बोझ सहने लायक नहीं बचे।

बापू ने कहा था साधु आजादी की लड़ाई से जुड़ें

कृष्ण प्रताप सिंह

इसे संयोग ही कहा जायेगा, कि जिन राम के राज के अपने सपने को साकार करने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ताजिंदगी प्रयासरत रहे, उनकी राजधानी या कि जन्मभूमि अयोध्या वे सिर्फ दो बार पहुंच सके। अलबत्ता, अपने संदेशों से इन दोनों यात्राओं को महत्वपूर्ण बनाने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। 10 फरवरी, 1921 को उनकी पहली यात्रा के समय, कहते हैं कि, अयोध्या व उसके जुड़वां शहर फैजाबाद में उत्साह की लहर थी। उनकी एक झलक पाने को लोग उनकी रेलगाड़ी आने से घंटों पहले ही स्टेशन से लेकर सभास्थल तक की सड़क व छतों पर जा खड़े हुए थे। घंटाघर पर शहनाई बज रही थी। सभा फैजाबाद व अयोध्या के संधिस्थल पर एक मैदान में होनी थी। लेकिन रेलगाड़ी स्टेशन पर आयी और स्थानीय कांग्रेसी नेता-आचार्य नरेन्द्रदेव व महाशय केदारनाथ- गांधीजी के डिब्बे में गये तो पता चला कि उन्होंने डिब्बे की कुछ खिड़कियां बंद कर ली हैं और किसी से मिलने से मना कर दिया है।

दरअसल, वे इस बात को लेकर नाराज थे कि अवध में चल रहा किसान आंदोलन खासा उत्पाती हो चला था। फैजाबाद के किसानों ने बगावती तेवर अपनाकर उन्होंने तालुकेदारों व जमींदारों के घरों में आगजनी व लूटपाट की थी। यह स्थिति गांधी जी की बर्दाश्त के बाहर थी, लेकिन अनुनय-विनय करने पर उन्होंने यह बात मान ली कि वे सभा में चलकर लोगों से अपनी नाराजगी ही जता दें। उनके साथ अबुल कलाम आजाद के अतिरिक्त खिलाफत आंदोलन के नेता मौलाना शौकत अली भी थे जो लखनऊ कांग्रेस में हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल, असहयोग और खिलाफत आंदोलनों के मिलकर एक हो जाने के बाद के हालात में साथ-साथ दौरे पर निकले थे। मगर गांधी जी मोटर पर सवार होकर जुलूस के साथ चले तो देखा कि खिलाफत आंदोलन के अनुयायी हाथों में नंगी तलवारें लिए उनके स्वागत में खड़े हैं। सभास्थल पर पहुंच भारी जनसमूह से पहले तो उन्होंने हिंसा का रास्ता अपनाने के बजाय कष्ट सहकर आन्दोलन करने को कहा, फिर किसानों की हिंसा व तलवारधारियों के जुलूस की निन्दा की।

गौरतलब है, उन्होंने देशवासियों को ये दो मंत्र देने के लिए उस अयोध्या को चुना जिसके राजा राम के राज्य की कल्पना साकार करने के लिए वे अपनी अंतिम सांस तक प्रयत्न करते रहे। रात में वे जहां ठहरे वहां ऐसी व्यवस्था की गई कि वे विश्राम करते रहें और उनका दर्शन चाहने वाले चुपचाप दर्शन करके जाते रहें। हजारों किसानों ने उस रात अपने मुक्तिदाता के सामने मूक क्षमायाचना की। सुबह सरयू स्नान के बाद गांधी जी अपने अगले पड़ाव की ओर बढ़ गये तो भी किसानों द्वारा हिंसा उनको सालती रही। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से इन भटके किसानों को सही राह दिखाने को कहा था। बापू अयोध्या आये तो बाल गंगाधर तिलक का निधन हो चुका था और स्वाधीनता आन्दोलन को नये सिरे से संजोने की जिम्मेदारी उन पर थी। ऐसे में 10 फरवरी, 1921 को वाराणसी में काशी विद्यापीठ का शिलान्यास करके उसी दिन वे ट्रेन से फैजाबाद पहुंचे तो अयोध्या के साधुओं के बीच जाकर उनको आन्दोलन से जोड़ने को भी यात्रा के उद्देश्यों में शामिल कर रखा था।

इस वक्त वे न सिर्फ खिलाफत आंदोलन को अपने ढंग के आन्दोलन में ढाल रहे थे बल्कि हिंदु-मुस्लिम एकता की राह में डाले जा रहे रोड़े भी बुहार रहे थे। इन रोड़ों में सबसे प्रमुख था गोहत्या का मसला, जिसे अंग्रेज लगातार साम्प्रदायिक रंग दे रहे थे। गांधी जी अयोध्या में इस मसले पर खुलकर बोले। उन्होंने गोहत्या के लिए अंग्रेजों को कठघरे में खड़ा कर गोरक्षा के लिए हिन्दू मुस्लिम एकता को अपरिहार्य बताया। ऐसा करते हुए उन्होंने जहां स्वतंत्रता संघर्ष के दूसरे पहलुओं की अनदेखी नहीं की, वहीं रामजन्मभूमि विवाद का कतई संज्ञान नहीं लिया। देर शाम फैजाबाद की सभा को सम्बोधित कर वे 11 फरवरी की सुबह अयोध्या के सरयूघाट पर पंडित चंदीराम की अध्यक्षता में हो रही साधुओं की सभा में पहुंचे। साधुओं को सम्बोधन में कहा, 'कहा जाता है कि भारतवर्ष में 56 लाख साधु हैं। ये सब बलिदान के लिए तैयार हो जायें तो अपने तप तथा प्रार्थना से भारत को स्वतंत्र करा सकते हैं। लेकिन ये अपने साधुत्व के पथ से हट गये हैं। इसी प्रकार से मौलवी भी भटक गये हैं।

मैं साधुओं से अपील करता हूं कि यदि वे गाय की रक्षा करना चाहते हैं तो खिलाफत के लिए जान दे दें।' अपने भाषण का समापन उन्होंने यह कहकर किया, 'संस्कृत के विद्यार्थी यहां आये हुए हैं। हर विद्यार्थी समझ ले कि अंग्रेजों से ज्ञान उपार्जन करना जहर का प्याला पीना है। ज्आप स्वदेशी हो जाइये। मैं आशा करता हूं कि यहां के साधुओं के पास जो कुछ है, उसका कुछ अंश वे मुझे दे देवेंगे। स्वराज्य के लिए यह सहायक होगा।' इस भाषण का अंग्रेजी अनुवाद लखनऊ स्थित राजकीय अभिलेखागार में संरक्षित है। इस भाषण से पहले वे फैजाबाद की सभा में वे सत्याग्रह, अंग्रेज सरकार से शांतिपूर्वक असहयोग करने, विदेशी वस्त्रों को त्यागने, सरकारी सहायताप्राप्त विद्यालयों का बहिष्कार करने का आह्वान कर चुके थे। 1929 में वे अपने हरिजन फंड के लिए धन जुटाने के सिलसिले में एक बार फिर अपने राम की राजधानी आये। फैजाबाद शहर के मोतीबाग में सभा हुई। इस यात्रा में गांधी जी धीरेन्द्र भाई मजूमदार द्वारा अकबरपुर में स्थापित देश के पहले गांधी आश्रम भी गये थे। वहां 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' का संदेश दिया।

कोलेस्ट्रॉल लेवल मेंटेन रखते हैं

सर्दी के मौसम में हार्ट की दिक्कतें काफी बढ़ने लगती हैं, जिसकी एक वजह कोलेस्ट्रॉल लेवल मेंटेन न रहना भी होता है। तिल के लड्डू खाने से कोलेस्ट्रॉल लेवल मेंटेन रहता है। जिसकी वजह से हार्ट सम्बन्धी दिक्कतें होने का खतरा कम हो जाता है।

सूजन को कम करते हैं

सर्दियों के मौसम में बहुत लोगों को शरीर में सूजन की दिक्कत भी जो जाती है। इस दिक्कत और दर्द को दूर करने में भी तिल के लड्डू अच्छी भूमिका निभाते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके शरीर में किसी तरह की सूजन और दर्द न होने पाए, तो इसके लिए आप तिल के लड्डू को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

हड्डियां मजबूत बनती हैं

शर्दियों में तिल के लड्डू खाने से काफी फायदे मिलते हैं। इससे मनुष्य की हड्डियों को मजबूती मिलती है। इनमें काफी मात्रा में कैल्शियम के गुण होते हैं जो हड्डियों को मजबूती देने में मददगार साबित होते हैं। इसके साथ ही ये लड्डू बोन मिनिरल डेंसिटी को बेहतर बनाने का काम भी करते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

सर्दियों में है लाभदायक

इम्यून सिस्टम को मजबूती देते हैं

सर्दियों के मौसम में इम्यून सिस्टम को मजबूत रखना बेहद जरूरी है, तिल के लड्डू इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में काफी मदद करते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आप संक्रमण और बीमारियों से बचे रह सकें, तो आपको सर्दी के मौसम में तिल के लड्डू का सेवन जरूर करना चाहिए।

सर्दियों का मौसम तो हर किसी को पसंद होता है। इस मौसम में एक तो घूमने का अपना अलग मजा होता है। इसके साथ ही इसी मौसम में खाने के लिए भी तमाम तरह की वैरायटी देखने को मिल जाती है। वैसे तो ये मौसम काफी खूबसूरत होता है, लेकिन सर्दियों में सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। शुरुआती सर्दी में सेहत पर ध्यान ना दिया जाए तो काफी परेशानी सामने आ जाती है। इसी के चलते अभी से अपनी डाइट में कुछ ऐसी चीजों को शामिल कर लेना चाहिए, जो शरीर को गर्माहट पहुंचाती हैं। अगर आप कुछ ऐसा बनाना चाहती हैं तो तिल गुड़ के लड्डू एक बेहतर विकल्प हैं। इसके सेवन से शरीर में गर्माहट तो रहती ही है, साथ ही में इससे इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।

विधि

लड्डू बनाना के लिए सबसे पहले एक पैन में तिल डालें और मध्यम आंच पर सुनहरा भून लें। यह करीब 5-7 मिनट में हो जाएगा। तिल भूनने के बाद इसे एक अलग बर्तन में रख लें। इसके बाद उसी कढ़ाई में गुड़ को मध्यम आंच पर घी के साथ मिलाएं। गुड़ को हल्का सा पिघलने दें। इसे लगातार चलाते भी रहें, वरना ये नीचे लग जाएगा। जब गुड़ पिघल जाए तो इसे हल्का ठंडा होने दें और फिर इसमें तिल, इलायची पाउडर और घिसा हुआ नारियल डालें। आखिर में इसे अच्छी तरह से मिलाएं। सभी चीजों को सही से मिलाने के बाद इस मिश्रण से छोटे-छोटे गोले बनाएं और उन्हें हाथों से ही लड्डू की शेप दें। अब आपके लड्डू तैयार हैं, इसे आप स्टोर करके रख सकती हैं।

सामग्री

गुड़ - 1 कप, तिल (सफेद) - 2 कप, घी - 2 टेबल स्पून, इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच, नारियल - 2 टेबल स्पून (घिसा हुआ)।

हंसना मना है

सर- अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? संता - बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबेंड घर से चला गया, हसबंड- रात को फोन पे, खाने में क्या है वाईफ- जहर। हसबेंड- मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर- सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट- फायदे तो पता नहीं, पर बेइजती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबा ये तोतली है। कह रही है..क्रमा कर खाओ।

गवर्नमेंट का नया रूल। जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे है उनको लेके आता हूं! (लाने के बाद) पप्पू - अपने 3 कहां गए? वाईफ- जिसके थे वह ले गया।

वाईफ- अगर मै माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

कहानी | पड़ोसी राजा

एक समय की बात है, विजयनगर पर पड़ोसी देश के हमला करने का खतरा मंडरा रहा था। ऐसे समय में एक दरबारी ने महाराज को तेनालीराम के खिलाफ भड़काते हुए कहा कि आप जानते नहीं, लेकिन तेनालीराम पड़ोसी राज्य से मिला हुआ है। वो समय-समय पर राज दरबार की गुप्त बातें पड़ोसी देश के राजा को देता रहता है। महाराज गुस्से से बोले, मूर्ख! तेनाली राम के बारे में ऐसी बात करते हुए तुम्हें शर्म आनी चाहिए। वो विजयनगर का सबसे वफादार नागरिक है और देशभक्त भी है। दरबारी बोला, यह झूठ है महाराज। राजा ने तुरंत तेनालीराम को अपने द्वार में बुलाया और उससे पूछा कि क्या तुम पड़ोसी देश के राजा के गुप्तचर हो? तेनालीराम इसका जवाब न दे सके और रोने लगे। राजा ने कहा, तुम्हारी चुप्पी का मतलब यह है कि जो हमने सुना वो सच है। तेनालीराम बोले, आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए आप जो चाहे निर्णय ले सकते हैं। महाराज बोले, जाओ, जिस राजा की चापलूसी करते हो उसी के साथ रहो। तेनाली राम वहां से चल दिए। वह पड़ोसी राजा के दरबार में पहुंचे और उसकी तारीफ में उन्होंने कई गीत गाए। तेनालीराम की प्रशंसा से पड़ोसी राजा बहुत खुश हुआ और उससे उसका परिचय मांगा। तेनालीराम ने कहा, मैं विजयनगर के राजा कृष्णदेवराय का निजी सचिव हूं। राजा बोले, विजयनगर तो हमारा दुश्मन है, फिर तुम वहां के निवासी होकर मेरे दरबार तक कैसे चले आए, क्या तुम्हें डर नहीं लगा? तेनालीराम बोले, आप हमें दुश्मन मानते हैं, जबकि हमारे राजा आपको दोस्त मानते हैं। पड़ोसी राजा ने चौंककर पूछा, लेकिन हमारे दरबारी तो कहते हैं कि कृष्णदेव राय हमें दुश्मन मानते हैं। तेनालीराम बोले, विजयनगर के दरबारी भी राजा को ऐसे ही भड़काते हैं, लेकिन हमारे राजा उनकी बातों में नहीं आते। वो तो आपकी तारीफ करते हैं। उनका कहना है कि पड़ोसी से दुश्मनी रखना कोई अच्छी बात नहीं है। पड़ोसी देश के राजा बोले, कहते तो तुम ठीक हो, लेकिन हम तुम्हारी बात कैसे मान लें? तेनाली बोले, मैं खुद उनका निजी सचिव हूं और उन्होंने मुझे शांति प्रस्ताव लेकर भेजा है। पड़ोसी राजा को तेनाली राम की बात पर यकीन हो गया और बोले, तो अब हमें आगे क्या करने चाहिए? तेनालीराम ने सलाह दी कि एक संधिपत्र और कुछ उपहार विजयनगर राज्य पहुंचाएं और आगे बढ़कर विजयनगर से मित्रता स्वीकार करें। उन्होंने उपहारों की तैयारी शुरू करवा दी। उधर, कृष्णदेव को तेनाली राम की बेगुनाही का पता चल गया था और वो अपने व्यवहार पर बहुत पछता रहे थे। अगले दिन उन्होंने देखा कि दरबार में तेनालीराम और पड़ोसी राजा के दूत संधि का प्रस्ताव लेकर हाजिर थे। उनके साथ बहुत से उपहार भी थे। राजा ने तेनालीराम को प्रेमपूर्वक देखा। उन्हें मन ही मन विश्वास हो गया था कि दुश्मनी को दोस्ती में बदलने का काम सिर्फ तेनालीराम ही कर सकता है।

7 अंतर खोजें

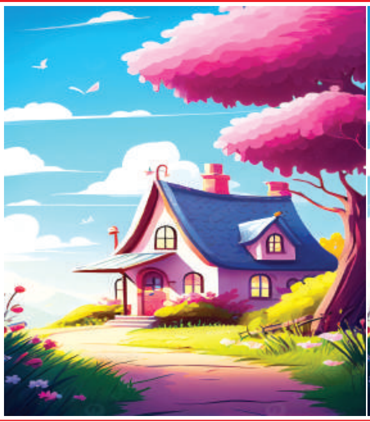

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

तुला
व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे।

वृषभ
पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है।

वृश्चिक
कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मिथुन
अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

धनु
आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कर्क
व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मकर
जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

सिंह
व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

कुम्भ
सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या
सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

मीन
शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

जिन फिल्मों को प्रोड्यूस नहीं करता उन्हें मैं कंट्रोल नहीं करता : अनुभव सिन्हा

जाने-माने निर्देशक अनुभव सिन्हा हाल ही में फिल्मों की ओटीटी रिलीज पर बात करते नजर आए। बीते वर्ष अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म भीड़ रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने खास प्रदर्शन नहीं किया। अनुभव सिन्हा को उम्मीद थी कि ये फिल्म ओटीटी पर बढ़िया प्रदर्शन करेगी। निर्देशक का कहना है कि ऐसी तमाम फिल्में हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छी नहीं चलीं, लेकिन ओटीटी पर खूब चलीं। अनुभव सिन्हा का कहना है कि बॉक्स ऑफिस पर हर किस्म की फिल्मों को प्रतिक्रिया नहीं मिलती है। अनुभव सिन्हा से हाल ही में एक बातचीत के दौरान जब पूछा गया कि ऐसे समय में जब अब तमाशा सिनेमा थिएटर्स में दर्शकों को काफी आकर्षित कर रहा है, क्या रा.वन और दस जैसी कमर्शियल फिल्में बनाने वाले अनुभव सिन्हा आगामी फिल्मों की प्लानिंग में फिर ऐसे सिनेमा में वापसी करेंगे? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि, हां, लेकिन सिर्फ उन फिल्मों के लिए जिन्हें मैं निर्देशित कर रहा हूं। अनुभव सिन्हा ने आगे कहा, जिन फिल्मों को मैं प्रोड्यूस या डायरेक्ट नहीं करता, उन्हें मैं कंट्रोल नहीं करता। आप आगे चलकर मेरे द्वारा निर्देशित फिल्मों में अंतर देखेंगे। यह दर्शकों को क्या चाहिए पर आधारित नहीं होगा, बल्कि मैंने क्या गलत किया? इस पर आधारित है। निर्देशक का कहना है, देखिए, दर्शकों को क्या चाहिए, ये किसी को कभी पता नहीं चलेगा। जो कहते हैं कि उन्हें समझ आ गया, वे झूठ बोल रहे हैं। अनुभव सिन्हा का कहना है, लोगों ने ऊंचाई और मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे को थिएटर्स में क्यों देखा? लेकिन, जयेशभाई जोरदार को नहीं देखा, जो कि सामाजिक मसले पर एक एंटरटेनिंग फिल्म थी।

द बुल में सलमान खान संग काम करेंगी सामंथा रुथ प्रभु

सलमान खान ने हाल ही में अपना 58वां जन्मदिन मनाया है। एक्टर के जन्मदिन पर कई डायरेक्टर्स ने उनके साथ अपने अपकमिंग फिल्म की घोषणा की थी। करण जौहर ने भी एक्टर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई थी। सलमान खान अब अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इनमें द बुल भी शामिल है, जिसे लेकर नई अपडेट सामने आई है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही जबरदस्त एक्शन फिल्म द बुल सलमान खान के लिए बेहद खास फिल्म है। इस फिल्म के लिए एक्टर अपने फिजीक में शॉकिंग ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान फिल्म में ब्रिगेडर की भूमिका निभा सकते हैं।

द बुल में सलमान खान के साथ फीमेल लीड में साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के शामिल होने की खबर आई थी। कुछ समय पहले खबर आई थी कि सलमान खान के साथ द बुल में तृषा कृष्णन को चुना गया है। हालांकि उनको लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई थी। अब इस मामले में नया अपडेट आया है। फिल्म में तृषा कृष्णन के बजाय साउथ की पॉप्युलर एक्ट्रेस सामंथा का नाम सामने आया है।

द बुल में रिप्लेस हुई एक्ट्रेस का नाम है सामंथा रुथ प्रभु। एक्ट्रेस अपने बोल्ड अवतार के लिए अक्सर चर्चा बटोरती हैं। द बुल की स्टार कास्ट में बदलाव को लेकर सामने आई खबर काफी दिलचस्प है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में तृषा कृष्णन को तेलुगु एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने रिप्लेस किया है यानी द बुल में सलमान खान और सामंथा की फ्रेश जोड़ी देखने को मिल सकती है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी भी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

श्रीराम के बाद अब भगवान शिव का रूप धरेंगे प्रभास

फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर के बाद बाहुबली अभिनेता प्रभास अपनी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। जब से निर्माताओं ने इस फिल्म की पहली झलक साझा की है, तभी से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास का किरदार भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि से प्रेरित बताया जा रहा है। इस फिल्म में कल्कि अवतार के बाद वह एक और आने वाली फिल्म में भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे। बीते साल रिलीज फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास भगवान श्रीराम का रूप भी धर चुके हैं।

अभिनेता प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी 12 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म की रिलीज डेट टल गई है। और, जल्द ही फिल्म के रिलीज डेट की घोषणा होगी। फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर की जबरदस्त कामयाबी के बाद एक बार फिर प्रभास की फिल्मों को लेकर उनके फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। दर्शक उनकी फिल्म सलार 2 को भी देखने के लिए काफी उत्सुक दिख रहे है। इस फिल्म को लेकर प्रभास इस बात का खुलासा कर चुके है कि इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को अब ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

मिली जानकारी के अनुसार सालार पार्ट 2 शौर्यांग पर्व में यह दिखाया जाएगा कि शौरांग वह कबीला है, जो प्रभास के किरदार देवा से जुड़ा है जिसमें देवा यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि कैसे वरदा उसका दुश्मन बन गया? वरदा का किरदार पृथ्वीराज सुकुमारन ने निभाया है। सालार पार्ट 2 शौर्यांग पर्व के अलावा प्रभास अपनी आने वाली फिल्म राजा डीलक्स को लेकर भी चर्चा में हैं।

अजब-गजब | इसने खूब करवाए कत्लेआम, मेकअप करने में लगाती थी 2 घंटे!

ये थी दुनिया की खूंखार ड्रग माफिया

वो कोकीन गॉडमदर थी। कोकीन काउबॉय के नाम से मशहूर। लोगों के कत्ल का ऑर्डर ऐसे देती थी, जैसे दूसरे लोग पिज्जा ऑर्डर करते हैं। इतनी क्रूर कि उसने अपने पतियों तक को मरवा डाला। सिर्फ 11 साल की उम्र में जब उसने 10 साल के एक बच्चे का कत्ल किया, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वह दुनिया की सबसे क्रूर महिला बनेगी। लेकिन उसने 2 साल के मासूम तक को नहीं बख्शा। 1970 और 80 के दशक के दौरान नशीली दवाओं की तस्करी से उसने 157 अरब रुपये से ज्यादा की कमाई की। पागलपन ऐसा था कि जो लोग भी उसके इस काम में बाधा बने, ऐसे तकरीबन 2000 लोगों के कत्ल कर डाले। ये कहानी है, दुनिया की सबसे खूंखार महिला ड्रग माफिया ग्रिसेल्डा ब्लैंको की।

ग्रिसेल्डा ब्लैंको 1943 में वैलेंटाइन डे के दिन पैदा हुई। जब वह सिर्फ तीन साल की थी, तब उसकी शराबी मां ने उसे अपराध निवारण केंद्र में भर्ती करा दिया। वह अपराधियों के बीच रही। उन्हीं के साथ मिलकर जेब काटने लगी। 11 साल की हुई तो उसने 10 साल के एक बच्चे का अपहरण कर लिया। फिरौती मांगी। नहीं मिली, तो बच्चे को गोली मार दी। 13 साल की उम्र में ग्रिसेल्डा की मुलाकात अपने पहले पति, दलाल और जालसाज कार्लोस ट्रूजिलो से हुई। महज 21 साल उम्र तक उसके तीन बच्चे हो चुके थे। बाद में दोनों में मनमुटाव हुआ तो ग्रिसेल्डा ने कार्लोस का कत्ल कर दिया। कुछ साल बाद उसने अल्बर्टो ब्रावो शादी की और न्यूयॉर्क चली गई। 1960 के दशक में दोनों कुख्यात ड्रग तस्कर कुख्यात मेडेलिन कार्टेल के संपर्क में आए और मिलकर कोकीन तस्करी का धंधा शुरू किया। ग्रिसेल्डा ने एक अंडरवियर फर्म खरीदा और उसके डिब्बे में कोकीन की तस्करी किया करती थी। मगर ब्राबो के साथ उसका रिश्ता बहुत नहीं चला। 1975 में उसने ब्रावो की गोली मारकर हत्या कर दी। वजह सिर्फ ये थी कि ब्रावो मेडेलिन कार्टेल के साथ दगाबाजी कर रहा था। तस्करी के लिए भेजा जा रहा माल चोरी किया करता था और बेचकर पैसे बना रहा था। यह बात ग्रिसेल्डा को पसंद नहीं आई। धीरे-धीरे ग्रिसेल्डा ने अपना जाल फैलाना शुरू किया। कैलिफोर्निया, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के साथ अमेरिका के लगभग सभी शहरों में कोकीन की तस्करी करने लगी। इससे हर महीने लगभग 50 करोड़ की कमाई हो रही थी। जैसे-जैसे वह कामयाब होती गई, उसकी भूख बढ़ती गई। बाधा बनने वाले लोगों की हत्याएं करती गई। लाशों के ढेर लगा दिए। कैलिफोर्निया की जिस हवेली में ग्रिसेल्डा रहती थी, वह महल की तरह था। हीरे जवाहरात से घर सजा हुआ था। रानी जिस चाइना सेट में चाय पीती थीं, उसमें चाय पीने का उसे शौक था। उसके पास पत्रे से जड़ी एक मशीनगन थी। कहा जाता है कि वह मेकअप करने में 2 घंटे का समय लेती थी। 1978 में ग्रिसेल्डा ने ड्रग तस्कर डेरियो सेपुलवेडा से तीसरी शादी की। इससे भी एक बेटा हुआ, जिसका नाम उसने माइकल कोरलियोन रखा। शादी में कुछ गड़बड़ी हुई तो ग्रिसेल्डा ने 8 स्ट्रिपर्स की हत्या कर दी थी। उसे शक हो गया था कि स्ट्रिपर्स उसके साथ सो रहे थे। बेटे ने उसकी संपत्ति पर दावा ठोंका तो कार में बैठे-बैठे बेटे का भी कत्ल कर दिया। आखिरकार 1985 में वह पुलिस के हत्थे आ गई। नशीली दवाओं की तस्करी में 13 साल जेल की सजा सुनाई गई। इसी बीच उसने 2 साल के एक बच्चे के कत्ल का गुनाह भी कबूल किया, तो सजा 20 साल की हो गई। 2004 में वह रिहा हुई, लेकिन ज्यादा दिन जिंदा नहीं रह सकी। 2012 में 69 साल की उम्र में उसकी हत्या कर दी गई। माना जाता है कि तकरीबन 2,000 लोगों की मौत के पीछे ग्रिसेल्डा का हाथ था। अब उसकी कहानी नेटफ्लिक्स सीरीज़ में बताई जा रही है जिसमें सोफिया वेरगारा उसकी एक्टिंग करेंगी।

दिन में 10,000 बार सोता है ये जीव, फिर कैसे पूरी हो जाती है नींद

धरती पर एक से एक रहस्यमय जीव हैं। कोई वर्षों सोता नहीं तो कोई कभी मरता नहीं। लेकिन एक जीव ऐसा भी है जो दिन में 2-4 बार नहीं बल्कि 10000 बार नींद की झपकी लेता है। सुनने में आपको यह नामुमकिन सा लग रहा होगा। मगर यह एकदम सत्य है। हाल ही में साइंटिस्ट ने इस तथ्य का खुलासा किया तो सब लोग चौंक गए। इस जीव का नाम चिनस्ट्रैप पेंगुइन है जो अंटार्कटिका में पाई जाने वाली पेंगुइन की एक प्रजाति हैं। साइंटिस्ट जब अंटार्कटिका के किंग जार्ज द्वीप पर रहने वाले पक्षियों पर रिसर्च कर रहे थे, तो उन्हें यह अनोखी चीज पता चली। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, चिनस्ट्रैप पेंगुइन धरती पर मौजूद इकलौते पक्षी हैं जो दिन में 10,000 बार सोते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि उनकी एक झपकी सिर्फ 4 सेकेंड की होती है। एक्सपर्ट ने पाया कि जब उनकी गर्दन हिल रही होती है तो वे झपकी ले रहे होते हैं। उनकी ये आदत इसलिए है, क्योंकि उन्हें अपने घोंसले, अंडे और बच्चों पर हर समय खतरा महसूस होता है। इसलिए नींद में जाते ही वे बार-बार आंखें खोलकर अपने अंडों-बच्चों पर नजर रखते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि चिनस्ट्रैप पेंगुइन दिन में 11 घंटों तक झपकी लेते रहते हैं। 1980 के दशक में भी इन पर रिसर्च हुई थी। तब सिर्फ इतना पता चला था कि पेंगुइन थोड़ी-थोड़ी देर की नींद लेते हैं। तो क्या इंसान ऐसा कर सकते हैं? ल्योन न्यूरोसाइंस रिसर्च सेंटर के रिसर्चर पॉल-एंटोनी लिबौरेल ने कहा, इंसान के लिए ऐसा कर पाना संभव नहीं। क्योंकि हमारी संरचना इन पक्षियों से बिल्कुल अलग होती है। हमारी नींद का पैटर्न भी काफी जुदा होता है। इसलिए इंसानों के लिए इतनी ज्यादा नींद ले पाना शायद संभव न हो। काले और सफेद रंग चिनस्ट्रैप पेंगुइन दक्षिणी गोलार्ध में रहते हैं। इनके पास पंखों जैसे फ्लिपर्स होते हैं, मगर ये उड़ नहीं सकते। जलीय जीव होने की वजह से ये फ्लिपर्स इन्हें तैरने में मदद करते हैं। इनके सिर के नीचे की पतली काली पट्टी होती है, जिसकी वजह से इनका नाम चिनस्ट्रैप रखा गया। आप जानकर हैरान होंगे कि भोजन की तलाश में ये 70 मीटर नीचे तक गोता लगा सकते हैं। इतने तेज होते हैं कि आधे मिनट में 10 मीटर गहराई में जाकर भोजन को दबोच लेते हैं। आमतौर पर वे रात में गोता लगाना पसंद करते हैं। वे नवंबर के अंत में अंडे देते हैं, जिनसे जनवरी की शुरुआत में बच्चे निकलते हैं। बच्चे 2 महीने से भी कम समय में बाहर आ जाते हैं।

पीएम का राष्ट्रीय सवालों पर गैर जिम्मेदाराना रवैया

खरगे बोले- बीजेपी ने बीते 10 सालों में उपलब्धि वाला एक भी काम नहीं किया, कांग्रेस ने भारत न्याय यात्रा का नाम बदला, इसे भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 14 जनवरी से शुरू होने वाली भारत न्याय यात्रा का नाम बदल दिया है। अब इस यात्रा का नाम भारत जोड़ो न्याय यात्रा होगा। गुरुवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई पार्टी की बैठक में यह फैसला लिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत पार्टी के सभी महासचिव, प्रदेश प्रभारी, कांग्रेस विधायक दल के नेता भी मौजूद रहे।

बैठक में यात्रा की तैयारियों और लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर भी जमकर निशाना साधा। खरगे ने कहा कि पीएम आज तक मणिपुर नहीं गए, यह बताता है कि वे राष्ट्रीय सवालों पर कितनी गैर जिम्मेदारी से काम करते हैं। बीजेपी ने बीते 10 सालों में एक भी ऐसा काम नहीं किया, जिसे उपलब्धि माना जा सके। वे यूपीए -कांग्रेस के जमाने की योजनाओं का नाम और रूप बदलने का काम करते रहे हैं। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र और बड़ी संस्थाओं को बेच रही है। देश की लाइफलाइन रेलवे से लेकर हर संस्थान को तबाह किया है। आज सरकार ईडी, सीबीआई और आईटी जैसी संस्थाओं का खुलेआम दुरुपयोग कर रही है।

महासचिवों और राज्य प्रभारियों की बैठक

वहीं आंध्र प्रदेश की सीनियर नेता वाईएस शर्मिला 4 जनवरी को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं। आंध्र प्रदेश की सीनियर नेता वाईएस शर्मिला 4 जनवरी को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं। दिसंबर 2023 में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी में फेरबदल किया था। इसके बाद नव नियुक्त महासचिवों और राज्य प्रभारियों के साथ पार्टी नेतृत्व की यह पहली बैठक है। दिल्ली में होने वाली इस बैठक से पहले कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की हैं, जिनमें चुनावी तैयारियों के लिए रणनीति बनाई गई।

खरगे ने कहा– मीटिंग का एजेंडा 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने और भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी करने से जुड़ा है। हमारे लिए दोनों की सफलता जरूरी है, हमें इसके लिए समय देना होगा। खरगे ने कहा कि आप लोग पार्टी के आंख-कान हैं। अब हमारे पास सिर्फ तीन महीने हैं, इसमें रात दिन एक करके हमें एक टीम की तरह पार्टी के लिए जी जान से जुटे रहना है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी नेताओं को आपसी मतभेद मीडिया में उठाने से बचने की सलाह दी।

14 जनवरी से शुरू होगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 12 दिन बाद (14 जनवरी से) भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। लोकसभा चुनाव से करीब 4 महीने पहले होने वाली यह यात्रा 14 राज्य और 85 जिलों को कवर करेगी। इस दौरान राहुल पैदल और बस से 6 हजार 200 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करेंगे। राहुल गांधी ने 7 सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक यह यात्रा की थी, जो कन्याकुमारी से शुरू होकर श्रीनगर में खत्म हुई थी। यह यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर श्रीनगर में खत्म हुई थी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश ने 27 दिसंबर को पार्टी हेडक्वार्टर में मीडिया को भारत न्याय यात्रा की जानकारी दी थी। पार्टी नेताओं ने बताया कि कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के बाद भारत न्याय यात्रा करेगी। यह मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र में समाप्त होगी।

वायनाड सीट से ही लड़ेंगे राहुल गांधी

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के चर्चा के बीच आखिर सवाल है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहां से चुनाव लड़ेंगे? इस बीच सूत्रों ने बताया कि वायनाड सीट से फिर राहुल गांधी चुनावी मैदान में उतरेंगे। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से वायनाड सीट छोड़ने को कहा था। सीपीआई का कहना था कि वायनाड सीट लेफ्ट के लिए छोड़ी जाए।

145 दिनों तक चली थी भारत जोड़ो यात्रा

इससे पहले राहुल गांधी ने 7 सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक भारत जोड़ो यात्रा की थी। 145 दिनों की यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू होकर जम्मू-कश्मीर में खत्म हुई थी। तब राहुल ने 3570 किलोमीटर की यात्रा में 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया था। श्रीनगर में यात्रा के समापन के मौके पर शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में राहुल ने कहा था- मैंने यह यात्रा अपने लिए या कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि देश की जनता के लिए की है। हमारा उद्देश्य उस विचारधारा के खिलाफ खड़ा होना है जो इस देश की नींव को नष्ट करना चाहती है।

कांग्रेस अध्यक्ष यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे

वेणुगोपाल ने कहा पार्टी अध्यक्ष खरगे इस यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। भारत न्याय यात्रा का मकसद आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय है। इस यात्रा में राहुल युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर पड़े लोगों से मुलाकात करेंगे। बस यात्रा से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा जाएगा। यात्रा में कुछ छोटे हिस्से को रुक-रुक कर पैदल भी कवर किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट को अप्रमाणिक बताया

» हिंडनबर्ग रिसर्च के दावे में जॉर्ज सोरोस की वित्त पोषित रिपोर्टों के प्रभाव को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत-विरोधी जॉर्ज सोरोस से जुड़े संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) की एक रिपोर्ट को अप्रामाणिक करार दिया, जिस पर मीडिया ने अडानी समूह की कंपनियों द्वारा स्टॉक हेरफेर के हिंडनबर्ग रिसर्च के दावे को विश्वसनीयता देने के लिए भरोसा किया था। शॉर्ट-सेलर के आरोपों की जांच करने में सेबी की विफलता।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अपने मामले पूरी तरह से जांच रिपोर्टिंग में शामिल तीसरे पक्ष के संगठन ओसीसीआरपी की रिपोर्ट से निकाले गए निष्कर्षों पर रखे हैं।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने दावों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया है। 24 नवंबर को जब सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं और सेबी की दलीलों की सुनवाई पूरी की, तो सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को सूचित किया था कि सेबी ने जांच के उद्देश्य से अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए ओसीसीआरपी को लिखा था। हालांकि, ओसीसीआरपी ने यह कहते हुए जवाब दिया कि नियामक प्रशांत भूषण द्वारा संचालित एक एनजीओ से वही दस्तावेज़ प्राप्त कर सकता है जिनका हमने उपयोग किया था।

महुआ संपदा निदेशालय से करें संपर्क : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। दिल्ली उच्च न्यायालय ने लोकसभा से निष्कासन के बाद सरकार द्वारा आवंटित घर खाली करने के नोटिस के खिलाफ तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि उन्हें संपदा निदेशालय से संपर्क करना चाहिए। मोइत्रा ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर 7 जनवरी तक घर खाली करने के नोटिस को रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

अदालत ने उनकी याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि उन्हें 7 जनवरी के बाद भी अपना सरकारी आवास बरकरार रखने की अनुमति के लिए निकाय से संपर्क करना चाहिए। बीते वर्ष को समाप्त करें और एचटी के साथ 2024 के लिए तैयार हो जाएं! यहाँ क्लिक करें। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह कानून के मुताबिक ही उसे बेदखल करने के लिए कदम उठाए। कोर्ट ने मोइत्रा को अपनी याचिका वापस लेने की भी इजाजत दे दी है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को शीर्ष अदालत का झटका

» एफआईआर रद्द करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इनकार को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है।

पीठ ने कहा कि माफ करें, हम इच्छुक नहीं हैं। पिछले साल 17 अगस्त को उच्च न्यायालय ने खेड़ा की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि मामले के जांच अधिकारी द्वारा एकत्र किए गए सबूतों का मूल्यांकन मामले को रद्द करने के लिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी)

की धारा 482 के तहत दायर याचिका में नहीं किया जा सकता है। पिछले साल 20 मार्च को, शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए असम और उत्तर प्रदेश में खेरा के खिलाफ दर्ज तीन एफआईआर को जोड़ दिया था। उनकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाते हुए मामले को लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया था। इस मामले में लखनऊ कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। कथित टिप्पणी के लिए खेड़ा ने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी है।

दो दिन में ही खत्म हुआ पांच दिन का टेस्ट

» भारत ने रचा इतिहास दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सेंचूरियन। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को ड्रॉ किया है। भारत ने आज तक कभी भी साउथ अफीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। हालांकि, ये दूसरी बार है जब भारत ने साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज ड्रॉ खेली है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई। जिसमें दूसरे मुकाबले को जीतकर भारतीय टीम ने मेजबान टीम को हराकर इतिहास रच दिया है।

मैच के दूसरे दिन ही साउथ अफ्रीका को हराकर टीम इंडिया ने इस सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है। सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले में दमदार कमबैक किया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच केपटाउन में टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। जहां टीम इंडिया को जीत हासिल हुई। भारत ने इस मुकाबले में जीत के साथ एक और बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया। इससे पहले दोनों टीमों के टीम इस वेन्यू पर कुल 6 टेस्ट मुकाबले खेले गए थे, लेकिन 4 में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं 2 मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ था। वहीं 7वें मुकाबले में जाकर टीम इंडिया ने रोहित शर्मा की कप्तानी में इस वेन्यू पर अपना पहला टेस्ट मैच जीता है।

रोहित ने की धोनी की बराबरी

सीरीज खत्म होने के साथ ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने भी एक बड़ा कारनामा करते हुए पूर्व कप्तान एमएस धोनी के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दरअसल, रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज को ड्रॉ किया है। इससे पहले साल 2010-11 में एमएस धोनी की कप्तानी में साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाया था। अब रोहित भी धोनी के बराबर पहुंच गए हैं। अब तक भारत के 7 कप्तानों के अंदर टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका का सामना किया है।

मोदी सरकार ने कोई भी वादे पूरे नहीं किए : पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक ने कहा- लोग अब बीजेपी को समझ चुके हैं, नहीं मिलेगी सत्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिरडी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले देश में राजनीतिक स्थिति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने भाजपा के 400 से अधिक सीट जीतने संबंधी दावे को खारिज करते हुए कहा कि वह कई राज्यों में सत्ता से बाहर है। पश्चिमी महाराष्ट्र में अहमदनगर जिले के शिरडी में आयोजित पार्टी के एक सम्मेलन में राकांपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र में सत्ता संभालने के बाद, भाजपा ने कई कार्यक्रमों की घोषणा की और कई आश्वासन दिए, लेकिन उन्हें लागू नहीं किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को अब इसका एहसास होने लगा है। पवार की पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर गठित विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) में शामिल है। पवार ने कहा कि देश में स्थिति भाजपा के लिए अनुकूल नहीं हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि भाजपा नेताओं ने कुल 543 में से 400 से अधिक लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पार्टी वर्तमान में कई राज्यों में सत्ता में नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में सत्ता से बाहर है।

प्रधानमंत्री सिर्फ गारंटी ही देते हैं

पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आश्वासन दिया गया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी और जिनके पास 'पक्के घर नहीं हैं, उन्हें शहरी क्षेत्रों में घर दिया जायेगा लेकिन इन वादों को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने आश्वासन दिया था कि 2024-25 तक भारत पांच हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जायेगा, लेकिन यह उसका 50 प्रतिशत भी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ 'गारंटी देते हैं।

बेरोजगारी की वजह से युवा परेशान

पवार ने कहा कि लेकिन गारंटी पूरी नहीं की गई। ऐसा कई बार देखा गया है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी के कारण युवा पीढ़ी परेशान है और उन्होंने 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में हुई चूक की उस घटना का हवाला दिया, जिसमें कुछ लोगों का एक समूह शामिल था। उन्होंने कहा कि जब हमारे सांसदों ने जानना चाहा कि उनकी (सुरक्षा में हुई चूक की घटना में शामिल लोगों की) क्या मांग है और उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से बयान देने के लिए दबाव डाला, तो विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया गया।

कांग्रेस की आत्मा हिंदू : उद्धव ठाकरे

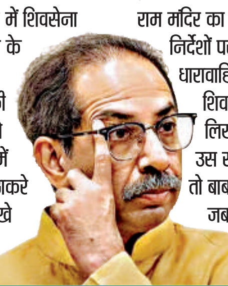

नई दिल्ली। राम मंदिर निर्माण के बाद अब जल्द ही मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन होगा। ऐसे में जब पूरा देश राममय हो रहा है तो राजनीतिक पार्टियों में भी खुद को हिंदू बताने की होड़ मची हुई है। कांग्रेस अपने धर्मनिरपेक्ष स्टैंड के चलते कहीं ना कहीं असमंजस में दिख रही है। ऐसे हालात में शिवसेना (यूबीटी) अपनी सहयोगी पार्टी कांग्रेस के बचाव में उतर आई है। शिवसेना (यूबीटी) कहना है कि कांग्रेस पार्टी की आत्मा हिंदू है और पार्टी के नेताओं को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जाना चाहिए। शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे गुट) ने अपने मुखपत्र सामना में लिखे एक लेख में लिखा कि अगर कांग्रेस पार्टी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण मिला है तो इसके नेताओं को कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। इसमें गलत क्या है? कांग्रेस की आत्मा हिंदू है और इसमें छिपाने जैसी कोई बात नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी मानते थे कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। राजीव गांधी के निर्देशों पर ही दूरदर्शन पर प्रसिद्ध रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया था। शिवसेना ने भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा कि जब बाबरी विध्वंस हुआ था, अगर उस समय कोई भाजपा का प्रधानमंत्री होता तो बाबरी विध्वंस होता ही नहीं। साल 1992 में जब बाबरी विध्वंस हुआ था, उस वक्त देश के प्रधानमंत्री कांग्रेस के पीवी नरसिम्हा राव थे।

चोट लगेगी तो डॉक्टर के पास जाएंगे या मंदिर में : तेजस्वी

पटना। अयोध्या में बन रहे भगवान राम के भव्य मन्दिर पर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर आपको चोट लगेगी तो मंदिर में जाइएगा या फिर डॉक्टर के पास जाइएगा। उन्होंने कहा कि पेट खाली रहेगा तो क्या मंदिर में जाएंगे। वहां तो उल्टा दान ही देना पड़ता है। तेजस्वी ने आगे कहा,मैं किसी धर्म के खिलाफ नहीं हूं, अपनी बेटी का मुंडन कराने मैं खुद तिरुपति मंदिर गया, जहां अपने बाल भी अर्पण कर दिए। देश की जो मौजूदा स्थिति है, यहां देश, संविधान को बदलने और लोकतंत्र को खत्म करने कोशिश की जा रही है। हम लोगों को नौकरी बांटने की तैयारी कर रहे हैं और ये लोग ईडी और सीबीआई घुसा देते हैं।

राहुल को पीएम बनते देखने का सपना : शर्मिला

» कांग्रेस ने सोनिया गांधी से तेलंगाना से लड़ने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी और वाईएसआरटीपी की संस्थापक वाई एस शर्मिला गुरुवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। शर्मिला की पार्टी वाईएसआरटीपी का विलय भी कांग्रेस में हो गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनते देखना उनके पिता का सपना था और वह उन्हें इसमें योगदान देकर खुशी होंगी। अब वाईएस शर्मिला के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है।

उधर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोनिया गांधी से अपील की है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में तेलंगाना से चुनाव लड़ें। इसे लेकर जब केंद्रीय मंत्री

प्रहलाद जोशी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, इन्हें अपनी लोकसभा सीटों से जीतने का विश्वास ही नहीं है। वह यहां आकर ड्रामा करना चाहते हैं। कोई नहीं उन्हें यहां आने दीजिए, हम यहां भी उन्हें हराएंगे। तेलंगाना के रंगारेड्डी में पत्रकारों से बात करते हुए प्रहलाद जोशी ने कहा कि भाजपा की विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मोदी की गारंटी आज यहां पहुंच चुकी है। पीएम मोदी की गारंटी को लेने के लिए लोग आ रहे हैं, जो पीएम मोदी की गंभीरता को दिखाता है। लोग इसे स्वीकार कर रहे हैं और इस पर विश्वास भी कर रहे हैं।

देश के लोग ऐसा नहीं चाहते : किशन रेड्डी

हैदराबाद में पत्रकारों ने केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी से जब वाईएस शर्मिला के बयान को लेकर सवाल किया तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा देश के लोग ऐसा नहीं चाहते। शर्मिला जी या किसी अन्य के कहने पर तो यह होने वाला नहीं है। देश की आम जनता ही किसी को प्रधानमंत्री बना सकती है, लेकिन राहुल गांधी का फार्मूला ही फेल है। राहुल गांधी की दवाई ही असफलता है। उनका मौलिक फार्मूला ही असफल है।

फोटो :4 पीएम

ध्वस्तीकरण लखनऊ के बर्लिंगटन चौराहे स्थित मानक के विपरीत बनी एफआई अस्पताल की बिल्डिंग को तोड़ दिया गया। एलडीए और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि बिना नक्शा पास कराए बिल्डिंग का निर्माण कराया था।

मुठभेड़ में माफिया विनोद उपाध्याय ढेर

» एसटीएफ ने की कार्रवाई, एक लाख रुपये का इनामी था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी एसटीफ ने गोरखपुर के कुख्यात माफिया विनोद उपाध्याय को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। बताया जा

रहा है कि गुरुवार की रात सुल्तानपुर में एसटीफ और माफिया के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया ढेर हो गया।

विनोद उपाध्याय के सिर गोरखपुर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी। विनोद उपाध्याय पुत्र रामकुमार उपाध्याय मूल रूप से मयाबाजार थाना महाराजगंज, अयोध्या का रहने वाला था। अपराध की दुनिया का बड़ा नाम और उत्तर प्रदेश के टॉप 61 माफिया की सूची में शामिल माफिया विनोद कुमार उपाध्याय पर एडीजी जोन गोरखपुर ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

कड़कड़ाती ठंड से कांपा उत्तर भारत

» यूपी में बारिश ने लोगों को घरों में दुबकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कंपकपा देने वाली ठंड से लोग घरों में दुबके रहने को मजबूर हो गए है। बारिश व पहाड़ी राज्यों में मौसम के खराब होने से पूरे उत्तर भारत में ठंड का प्रभाव बढ़ गया है। यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब समेत कई राज्यों कोहरा व बदरी छाई हुई है। दो दिन से लोग सूरज के दर्शन को तरस गए हैं। कोहरे की वजह से दृष्यता कम हो गई ।

रेल, हवाई विमान व सड़क मार्ग का यातायात व्यवस्था भी अस्त-व्यस्त हो गई है। वंही राष्ट्रीय राजधानी की सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 6.8 डिग्री कम है। मौसम कार्यालय ने बताया कि क्षेत्र में लगातार कम बादल छाए रहने और धूप कम निकलने के कारण पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से छह डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया ।

प्रदेश में कोल्ड डे की चेतावनी

बृहस्पतिवार से पहाड़ी हवाओं से ठिठुर रहे प्रदेश के लिए शुक्रवार को कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है। इससे दिन में भी लोगों को भारी गलन महसूस होगी। वहीं, प्रदेश भर में घने कोहरे का दौर बरकरार है। इससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश भी हुई है। इस दौरान बादल गरजते रहे।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक के मुताबिक, गोरखपुर व वाराणसी में कोहरे के चलते दृश्यता शून्य तक पहुंच गई थी। लखनऊ, कुशीनगर, बरेली, शाहजहांपुर में यह 50 मीटर तक गिरी। उरई, फुर्सतगंज, झांसी, बाराबंकी, प्रयागराज, आगरा, बांदा बहराइच और चुर्क में भी घना कोहरा रहा। आगरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, हाथरस, मथुरा, औरैया, बागपत, बुलंदशहर, एटा, इटावा, फरूखाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, जालौन, झांसी, कन्नौज, कानपुर, कासगंज, मैनपुरी, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर व शामली में कोल्ड डे रहेगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।